

**विगर्हा स्त्री.** (तत्.) निंदा, डाँट-फटकार।

**विगर्हित वि.** (तत्.) 1. जिसकी निंदा की गई हो, निंदित 2. डाँटा-फटकारा हुआ 3. निषिद्ध 4. नीच 5. बुरा।

**विगर्ही वि.** (तत्.) 1. विगर्हण करने वाला 2. निंदा करने वाला।

**विगलन पुं.** (तत्.) 1. किसी वस्तु का गल जाना 2. रिसना या बहना या पिघलना 3. किसी वस्तु का पूरी तरह नष्ट होना, नाश 4. शिथिल होना 5. घुल जाना 6. गायब हो जाना कृषि. किसी जीवाणु या कवक से संक्रमित होने के कारण पौधे के गूदेदार ऊतक में विकृति होना जैसे- मृदुकरण, विवर्णन तथा विघटन।

**विगलित वि.** (तत्.) 1. जो पूरी तरह गल गया हो, पिघला हुआ 2. रिसा या टपका हुआ 3. गिरा हुआ 4. ढीला पड़ा हुआ, शिथिल 5. बिगड़ा हुआ 6. बिखरा हुआ जैसे- विगलित केश 7. लुप्त।

**विगाथा स्त्री.** (तत्.) आर्या छंद का एक भेद, जिसके चार चरण होते हैं इसके प्रथम तथा तृतीय चरण में 12, 12 मात्राएँ तथा दूसरे व चतुर्थ चरण में क्रमशः 15, 18 मात्राएँ होती हैं।

**विगाहन पुं.** (तत्.) 1. स्नान 2. डुबकी लगाकर किया जाने वाला स्नान 3. अवगाहन।

**विगुण वि.** (तत्.) 1. जिसमें कोई गुण न हो, गुणहीन 2. बुरा 3. जिसमें डोरी न हो 4. विकृत 5. प्रभावहीन 6. असफल।

**विगूढ़ वि.** (तत्.) 1. अत्यंत छिपा हुआ हो, बिल्कुल दिखाई न दे, गुप्त 2. जिसकी निंदा की गई हो।

**विगृहीत वि.** (तत्.) 1. ग्रहण किया हुआ, पकड़ा हुआ 2. जिसका ठीक विश्लेषण किया गया हो 3. विभाजित, भग्न 4. मुकाबला किया गया।

**विगोई वि.** (तत्.) 1. विकृत करने वाली, बिगाड़ पैदा करने वाली, खराब करने वाली।

**विग्गाहा स्त्री.** (तत्.) आर्या छंद का एक भेद। दे. 'विगाथा'।

**विग्रसनकारी वि.** (तत्.) ग्रसन करने में प्रवृत्त रहने वाला पुं. कृषि. ऐसा कारक या तत्व जो वातावरण में या पौधे के पृष्ठ या अंग पर रोग के संक्रमण होने से पूर्व ही रोगजनक को निष्क्रिय कर देता है।

**विग्रह पुं.** (तत्.) 1. अलगाना, फैलाना 2. विस्तार 3. कलह, युद्ध 4. शरीर, आकृति 5. मूर्ति, प्रतिमा 6. खंड, भाग 7. स्कंद का एक अनुचर 8. व्या. यौगिक या समासयुक्त पदों को अलग-अलग करना जैसे- पीतांबर का विग्रह (पीत है अंबर जिसका)।

**विग्रहगति स्त्री.** (तत्.) जैन. एक शरीर को त्यागकर दूसरे शरीर में प्रवेश करने की स्थिति या दशा।

**विग्रही वि.** (तत्.) 1. संग्राम, युद्ध करने वाला 2. लड़ाई-झगड़े में प्रवृत्त रहने वाला 3. मूर्तिपूजक 4. पुं. युद्ध मंत्री।

**विग्राह्य वि.** (तत्.) 1. जिसके साथ लड़ाई-झगड़ा किया जाना संभावित हो या उचित हो 2. जिसके साथ युद्ध किया जा सके।

**विघटिका स्त्री.** (तत्.) 1. कालगणना की दृष्टि से समय की एक छोटी माप, पल अर्थात् घटी 24 मिनट का साठवाँ भाग- 24 सेकंड।

**विघटित वि.** (तत्.) 1. जिसका विघटन हुआ हो 2. जिसे किसी चीज से अलग किया गया हो, वियोजित 3. तोड़-फोड़ किया हुआ 4. नष्ट किया हुआ 5. जिस किसी संस्था, समिति आदि को भंग कर दिया गया हो 6. वियुक्त जैसे- विघटित सभा।

**विघट्टन पुं.** (तत्.) 1. वियोजन करने का भाव या क्रिया 2. प्रहार करना 3. टक्कर मारना 4. रगड़ 5. वियोजन 6. पीड़न।

**विघट्टी वि.** (तत्.) विघटन करने वाला।

**विघन पुं.** (तत्.) दे. विघ्न।

**विघर्षण पुं.** (तत्.) 1. किसी चीज को अच्छे ढंग से रगड़ने की क्रिया या भाव 2. अच्छी तरह रगड़ना।